ब्रिन्दाबन में रास रचाए नंदनबन का नंदकिशोर

ब्रिन्दाबन में रास रचाए , नंदनबन का नंदकिशोर

सुनो कान्हा ने बांसुरी बजाई रे
पायल राधा की छनन छनकाई रे
बांसुरी की मधुर धुन आयी रे
हाए तन मन की सुध बिसराई रे ||

ओढ़े घूँघट का पट, राधा जमुना के तट
पनघट पे भरन जल आयी रे
आई मुरली की तान, जैसे कोई तूफ़ान
राधा चुनरी संभाल नहीं पाई रे ||

यशोदा का वो लाल, नन्द का है दुलाल
जिसने गोकुल में धूम मचाई रे
खेले कान्हा जो रंग, जागे मन में तरंग
हर अंग हो जैसे कन्हाई रे ||

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/743/title/suno-kahna-ne-bansuri-bajaayi-re-payal-radha-ki-chanan-chankayi-re-garba-bhajan-song

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |